DIGITAL RESOURCE CENTRE (DRC)

CENTRAL LIBRARY

PRESS CLIPPINGS

1-31 May

2025

CONTENT

S No	Title	Author	Newspaper	Page No.	Date of Publication
1.	प्रतिभा के दम पर हर क्षेत्र में खुद को स्थापित कर रहे युवा		अमरउजाला	6	01/05/2025
2.	प्रतिभा को निखारने का काम करेगी अभी व्यक्ति 3.0		हिंदुस्तान	7	01/05/2025
3.	आईएफटीएम के स्कूल ऑफ़ साइंस में हुआ प्रतिभा खोज कार्याक्रम अभिव्यक्ति 3.0 का आयोजन		विधान केसरी	8	01/05/2025
4.	प्रतिभा खोज कार्याक्रम का हुआ आयोजन		शाह टाइम ब्यूरो	9	01/05/2025
5.	आईएफटीएम के स्कूल ऑफ़ साइंस में हुआ प्रतिभा खोज कार्याक्रम अभिव्यक्ति 3.0 का आयोजन		युग बंधू समाचार	10	01/05/2025
6.	आईएफटीएम में भारतीय समिधान के ७५ बर्ष पुरे होने के उपलक्षय में हुआ एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन		विधान केसरी	11	01/05/2025
7.	आईएफटीएम में भारतीय समिधान के ७५ बर्ष पुरे होने के उपलक्षय में हुआ एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन		शाह टाइम ब्यूरो	12	01/05/2025
8.	आईएफटीएम में भारतीय समिधान के ७५ बर्ष पुरे होने के उपलक्षय में हुआ एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन		युग बंधू समाचार	13	01/05/2025
9.	आईएफटीएम विश्व विद्यालय में डेमो दे प्रदर्शनी पोस्टर प्रस्तुति सहित आयोजन हुए विविध कार्याक्रम का हुआ सफल समापन		युग बंधू समाचार	14	02/05/2025

10.	आईएफटीएम में हुआ रक्दान शिबिर का आयोजन		विधान केसरी	15	02/05/2025
11.	आईएफटीएम में मास्टरिंग आईसी इन्जिस विषय पर हुआ एक दिवसीय कार्य का आयोजन		विधान केसरी	16	02/05/2025
12.	आईएफटीएम में मास्टरिंग आईसी इन्जिस विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन		शाह टाइम ब्यूरो	17	02/05/2025
13.	आईएफटीएम विश्व विद्यालय के १२४ विधर्थिओ को मिली जॉब		युग बंधू समाचार	18	02/05/2025
14.	आईएफटीएम में शिबिर १० ने किया रक्तदान		हिंदुस्तान	19	02/05/2025
15.	प्रश्नोत्तरी में मोहम्मद अफ्फान बने विजेता		हिंदुस्तान	20	12/05/2025
16.	आईएफटीएम में विश्व विद्यालय में मक्का के क्षेत्र दिवसके अबसर		शाह टाइम ब्यूरो	21	12/05/2025
17.	आईएफटीएम में विश्व विद्यालय में मक्का के क्षेत्र दिवसके अबसर		युग बंधू समाचार	22	12/05/2025
18.	आईएफटीएम में विश्व विद्यालय में राष्ट्रीय परदोगिक दिवस के तहत हुआ प्रश्नोत्तरी प्रितियोगिता का आयोजन		युग बंधू समाचार	23	12/05/2025
19.	आईएफटीएम में विश्व विद्यालय में राष्ट्रीय परदोगिक दिवस के तहत हुआ प्रश्नोत्तरी प्रितियोगिता का आयोजन		शाह टाइम ब्यूरो	24	12/05/2025
20.	आईएफटीएम विश्व विद्यालय में फार्मेसी के संदर्भ में उदयमिता के लिएऔद्योगिक रुझान और डिजाइन के अबसर विषय परचल रही ३ दिवसीय कार्य शाला का हुआ सफल समापन		युग बंधू समाचार	25	12/05/2025
21.	आईएफटीएम विश्व विद्यालय में बनस्पति बिज्ञान बिभाग के		शाह टाइम ब्यूरो	26	12/05/2025

	विधार्थीओ हेतु आयोजित क्या शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम				
22.	आईएफटीएम विश्व विद्यालय में बर्तमान परिबेश में भारतीय समिधान की प्रासंगिकता विषय पर हुआ एक दिन का नेशनल सेमिनार का आयोजन		युग बंधू समाचार	27	12/05/2025
23.	आईएफटीएम विश्व विद्यालय के ४३ विधार्थीओ को मिली जॉब		विधान केसरी	28	12/05/2025
24.	आईएफटीएम विश्व विद्यालय के ४३ विधार्थीओ को मिली जॉब		हिंदुस्तान	29	16/05/2025
25.	आईएफटीएम विश्व विद्यालय के ४३ विधार्थीओ को मिली जॉब		अमरउजाला	30	16/05/2025
26.	आईएफटीएम विश्व विद्यालय के ४३ विधार्थीओ को मिली जॉब		शाह टाइम ब्यूरो	31	16/05/2025
27.	आईएफटीएम विश्व विद्यालय के ४३ विधार्थीओ को मिली जॉब		युग बंधू समाचार	32	16/05/2025
28.	आईएफटीएम विश्व विद्यालय की शिक्षिका डॉ. राशि श्रीवस्तव का योगदा बहुप्रतिष्ठा महिला पत्रिका		शाह टाइम ब्यूरो	33	24/05/2025
29.	विशेष संस्करण में प्रकाशित हुआ राशि का योगदान		अमरउजाला	34	24/05/2025
30.	सीजफायर के विशेष संस्करण में प्रकाशित हुआ आईएफटीएम की शिक्षिका डॉ. राशि श्रीवस्तव का योगदान		विधान केसरी	35	24/05/2025
31.	ओंकार सरन की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी		दैनिक जागरण	36	31/05/2025
32.	आईएफटीएम के संस्थापक को किया याद		हिंदुस्तान	37	31/05/2025
33.	आईएफटीएम के संस्थापक स्व. ओंकार सरन कोठीवाल की 18वीं पुण्यतिथि के अवसर पर अर्पित की गई श्रृद्धांजलि		विधान केसरी	38	31/05/2025

34.	**ओंकार सरन कोठीवाल की पुण्यतिथि मनाई गई**		**अमरउजाला**	**39**	**31/05/2025**
35.	**आईएफटीएम के संस्थापक स्व. ओंकार सरन कोठीवाल की 18वीं पुण्यतिथि के अवसर पर अर्पित की गई श्रद्धांजलि**		**युग बंधू समाचार**	**40**	**31/05/2025**
36.	18**वीं पुण्यतिथि के अवसर पर अर्पित की श्रद्धांजलि**		**शाह टाइम ब्यूरो**	**41**	**31/05/2025**
37.	**आईएफटीएम के संस्थापक की** 18**वीं पुण्यतिथि के अवसर पर अर्पित की गई श्रद्धांजलि**		**आज समाचार सेवा**	**42**	**31/05/2025**

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | बृहस्पतिवार, 1 मई 2025
5

प्रतिभा के दम पर हर क्षेत्र में खुद को स्थापित कर रहे युवा

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ साइंसेज की ओर से दो दिवसीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम 'अभिव्यक्ति 3.0' का आयोजन हुआ। कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने दीप जलाकर कार्यक्रम का आरंभ किया। उन्होंने कहा कि युवा अपनी प्रतिभा के दम पर आज विश्व के हर क्षेत्र में खुद को स्थापित कर रहे हैं। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बीके सिंह रहे। डॉ. सिंह ने कहा कि 'अभिव्यक्ति 3.0' का आयोजन छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा को उजागर कर उसे निखारने की दृष्टि से किया गया है। डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा की अभिव्यक्ति के लिए प्रेरित किया। डॉ. निशा अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ें। डॉ. राकेश कुमार यादव ने, डॉ. तृप्ति पांडे ने भी विचार रखे। ब्यूरो

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद
गुरुवार
1 मई 2025
04

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज की ओर से दो दिवसीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम 'अभिव्यक्ति 3.0' का आयोजन किया गया।

प्रतिभा को निखारने का काम करेगी अभिव्यक्ति 3.0

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज की ओर से दो दिवसीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम 'अभिव्यक्ति 3.0' का आयोजन किया गया। विवि के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि युवा अपनी प्रतिभा के दम पर आज विश्व के हर क्षेत्र में अपने आप को स्थापित कर सकते हैं।

आईएफटीएम के स्कूल ऑफ साइंसेज में हुआ प्रतिभा खोज कार्यक्रम अभिव्यक्ति 3.0 का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज की ओर से दो दिवसीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम अभिव्यक्ति 3.0 का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए यह भी कहा कि युवा अपनी प्रतिभा के दम पर आज विश्व के हर क्षेत्र में अपने आप को स्थापित कर सकते हैं। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि अभिव्यक्ति 3.0 छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा को उजागर कर उसे निखारने की दृष्टि से किया गया है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने हिंदी के महान कवि की रचना बात के द्वारा विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा की अभिव्यक्त करने हेतु प्रेरित किया। वहीं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका डॉ. निशा अग्रवाल ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि उन्हें शिक्षा के साथ-साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए, जिससे कि वे सफलता के शिखर पर आसानी से पहुंच सकें। आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. राकेश कुमार यादव ने कहा कि आईएफटीएम विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित कराए जाते हैं। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. तृप्ति पांडे ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे कि कॉमेडी, मेहंदी, हेयर स्टाइल ,नृत्य कला, पेंटिंग आदि आयोजित हुईं। कार्यक्रम के प्रथम दिन विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने डांसिंग, सिंगिंग, स्टैंड अप, कॉमेडी प्रतियोगिता में भाग लिया तथा दूसरे दिन मेंहदी, नेल्स आर्ट, पेंटिंग बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, फ्लेमलेस कुकिंग, सलाद सजाना, हेयर स्टाइल, फैशन शो आदि कार्यकर्मों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तृप्ति पांडे ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजन सचिव डॉ. अशोक कुमार, सह संयोजिका डॉ. स्मिता ज्योति समेत डॉ. अतानु नाग, डॉ. ऋद्धि गर्ग, डॉ. पूजा नारंग, डॉ, निधि तिवारी, कु. मीनू, डॉ. शिव प्रताप सिंह एवं श्री दीपक शर्मा आदि शिक्षकों का सहयोग रहा। इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान पाने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान स्कूल के विभिन्न विभागों के 120 से अधिक छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

प्रतिभा खोज कार्यक्रम का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज की ओर से दो दिवसीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम ''अभिव्यक्ति 3.0'' का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम की संयोजि. का डॉ. तृप्ति पांडे ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे कि कॉमेडी, मेहंदी, हेयर स्टाइल ,नृत्य कला, पेंटिंग आदि आयोजित हुईं।

कार्यक्रम के प्रथम दिन विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने डांसिंग, सिंगिंग, स्टैंड अप, कॉमेडी प्रतियोगिता में भाग लिया तथा दूसरे दिन मेंहदी, नेल्स आर्ट, पेंटिंग बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, फ्लेमलेस कुकिंग, सलाद सजाना, हेयर स्टाइल, फैशन शो आदि कार्यकर्मों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तृप्ति पांडे ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजन सचिव डॉ. अशोक कुमार, सह संयोजिका डॉ. स्मिता ज्योति समेत डॉ. अतानु नाग, डॉ. ऋद्धि गर्ग, डॉ. पूजा नारंग, डॉ, निधि तिवारी, कु. मीनू, डॉ. शिव प्रताप सिंह एवं श्री दीपक शर्मा आदि शिक्षकों का सहयोग रहा। इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान पाने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान स्कूल के विभिन्न विभा 120 से अधिक छात्र-छात्रा बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज में हुआ प्रतिभा खोज कार्यक्रम अभिव्यक्ति 3.0 का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज की ओर से दो दिवसीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम अभिव्यक्ति 3.0 का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए यह भी कहा कि युवा अपनी प्रतिभा के दम पर आज विश्व के हर क्षेत्र में अपने आप को स्थापित कर सकते हैं। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि अभिव्यक्ति 3.0 छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा को उजागर कर उसे निखारने की दृष्टि से किया गया है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने हिंदी के महान कवि की रचना बात के द्वारा विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा की अभिव्यक्त करने हेतु प्रेरित किया। वहीं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका डॉ. निशा अग्रवाल ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि उन्हें शिक्षा के साथ-साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए, जिससे कि वे सफलता के शिखर पर आसानी से पहुंच सकें। आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. राकेश कुमार यादव ने कहा कि आईएफटीएम विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित कराए जाते हैं।

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. तृप्ति पांडे ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे कि कॉमेडी, मेहंदी, हेयर स्टाइल ,नृत्य कला, पेंटिंग आदि आयोजित हुईं। कार्यक्रम के प्रथम दिन विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने डांसिंग, सिंगिंग, स्टैंड अप, कॉमेडी प्रतियोगिता में भाग लिया तथा दूसरे दिन मेंहदी, नेल्स आर्ट, पेंटिंग बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, फ्लेमलेस कुकिंग, सलाद सजाना, हेयर स्टाइल, फैशन शो आदि कार्यकर्मों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तृप्ति पांडे ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजन सचिव डॉ. अशोक कुमार, सह संयोजिका डॉ. स्मिता ज्योति समेत डॉ. अतानु नाग, डॉ. ऋद्धि गर्ग, डॉ. पूजा नारंग, डॉ, निधि तिवारी, कु. मीनू, डॉ. शिव प्रताप सिंह एवं श्री दीपक शर्मा आदि शिक्षकों का सहयोग रहा। इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान पाने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान स्कूल के विभिन्न विभागों के 120 से अधिक छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। वि0

आईएफटीएम में भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हुआ एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ की ओर से भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत का संविधान न केवल हमारे अधिकारों का संरक्षक है, बल्कि यह हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक भी है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय संविधान हमारी परम्पराओं और आस्थाओं का केंद्र बिंदु है, जिसकी धुरी से सभी नागरिक बंधे हुए हैं। सेमिनार के मुख्य वक्ता व स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक डॉ. श्याम बिहारी मिश्रा ने कहा कि भारतीय संविधान को एक जीवंत दस्तावेज बनाने में डॉ. भीमराव अंबेडकर का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस दस्तावेज में ऐसे प्रावधान सम्मिलित किये हैं जो हमारे जीवन के प्रत्येक पहलू को प्रभावित करते हैं और इसके मौलिक सिद्धांतों को हमें आत्मसात करना चाहिए, ताकि अपने व्यक्तित्व एवं देश को सतत विकास की ओर बढ़ाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में संविधान का अध्ययन मार्गदर्शक के रूप में किया जाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान संविधान के विभिन्न बिंदुओं पर शिक्षकों एवं विद्यार्थिओं द्वारा शोध पत्र प्रस्तु किये गये। शोध पत्रें के माध्यम से संविधान के अति महत्वपुर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गयी और विभिन्न टेक्निकल सेशन में प्रश्न-उत्तर भी किये गए तथा संविधान के नए आयामों पर भी चर्चा की गयी। सेमिनार के संयोजक व विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेंद्र सिंह ने सेमिनार की आख्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारतीय संविधान असीम आशाओं एवं आयामों का एक संग्रह है, जिसको सहेजने में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की महत्वपुर्ण भूमिका रही। अंत में डॉ. सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। सेमिनार का संचालन स्कूल ऑफ लॉ की शिक्षिका सुश्री ऊर्जा अरिवान द्वारा किया गया। सेमिनार में स्कूल ऑफ लॉ के सभी शिक्षकों समेत 60 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आईएफटीएम में भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने पर सेमिनार' का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ की ओर से भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्व. विद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत का संविधान न केवल हमारे अधिकारों का संरक्षक है, बल्कि यह हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक भी है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय संविधान हमारी परम्पराओं और आस्थाओं का केंद्र बिंदु है, जिसकी धुरी से सभी नागरिक बंधे हुए हैं। सेमिनार के मुख्य वक्ता व स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक डॉ. श्याम बिहारी मिश्रा ने कहा कि भारतीय संविधान को एक जीवंत दस्तावेज बनाने में डॉ. भीमराव अंबेडकर का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस दस्तावेज में ऐसे प्रावधान सम्मिलित किये हैं जो हमारे जीवन के प्रत्येक पहलू को प्रभावित करते हैं और इसके मौलिक सिद्धांतों को हमें आत्मसात करना चाहिए, ताकि अपने व्यक्तित्व एवं देश को सतत विकास की ओर बढ़ाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में संविधान का अध्ययन मार्गदर्शक के रूप में किया जाना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान संविधान के विभिन्न बिंदुओं पर शिक्षकों एवं विद्यार्थिओं द्वारा शोध पत्र प्रस्तु किये गये। शोध पत्रें के माध्यम से संविधान के अति महत्वपुर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गयी और विभिन्न टेक्निकल सेशन में प्रश्न-उत्तर भी किये गए तथा संविधान के नए आयामों पर भी चर्चा की गयी। सेमिनार के संयोजक व विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेंद्र सिंह ने सेमिनार की आख्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारतीय संविधान असीम आशाओं एवं आयामों का एक संग्रह है, जिसको

सहेजने में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की महत्वपुर्ण भूमिका रही। अंत में डॉ. सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। सेमिनार का संचालन स्कूल ऑफ लॉ की शिक्षिका सुश्री ऊर्जा अरिवान द्वारा किया गया। सेमिनार में स्कूल ऑफ लॉ के सभी शिक्षकों समेत 60 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हुआ एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ की ओर से भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत का संविधान न केवल हमारे अधिकारों का संरक्षक है, बल्कि यह हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक भी है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय संविधान हमारी परम्पराओं और आस्थाओं का केंद्र बिंदु है, जिसकी धुरी से सभी नागरिक बंधे हुए हैं। सेमिनार के मुख्य वक्ता व स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक डॉ. श्याम बिहारी मिश्रा ने कहा कि भारतीय संविधान को एक जीवंत दस्तावेज बनाने में डॉ. भीमराव अंबेडकर का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस दस्तावेज में ऐसे प्रावधान सम्मिलित किये हैं जो हमारे जीवन के प्रत्येक पहलू को प्रभावित करते हैं और इसके मौलिक सिद्धांतों को हमें आत्मसात करना चाहिए, ताकि अपने व्यक्तित्व एवं देश को सतत विकास की ओर बढ़ाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में संविधान का अध्ययन मार्गदर्शक के रूप में किया जाना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान संविधान के विभिन्न बिंदुओं पर शिक्षकों एवं विद्यार्थिओं द्वारा शोध पत्र प्रस्तु किये गये। शोध पत्रें के माध्यम से संविधान के अति महत्वपुर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गयी और विभिन्न टेक्निकल सेशन में प्रश्न-उत्तर भी किये गए तथा संविधान के नए आयामों पर भी चर्चा की गयी। सेमिनार के संयोजक व विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेंद्र सिंह ने सेमिनार की आख्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारतीय संविधान असीम आशाओं एवं आयामों का एक संग्रह है, जिसको सहेजने में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की महत्वपुर्ण भूमिका रही। अंत में डॉ. सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। सेमिनार का संचालन स्कूल ऑफ लॉ की शिक्षिका सुश्री ऊर्जा अरिवान द्वारा किया गया। सेमिनार में स्कूल ऑफ लॉ के सभी शिक्षकों समेत 60 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। वि०

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में डेमो डे, प्रदर्शनी, पोस्टर प्रस्तुति सहित आयोजित हुए विविध कार्यक्रमें का हुआ सफल समापन

युग बन्धु समाचार

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी), स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस और आईएफटीएम बिजनेस इन्क्यूबेशन फाउंडेशन (आईएफटीएम-बीआईएफ) के संयुक्त तत्वावधान में ह्यह्यडेमो डे, प्रदर्शनी, पोस्टर प्रजेंटेशन, बिजनेस प्लान एण्ड लिंकिज विद इनोवेशन एंबेसडरर्स, एक्सपटर्स फॉर मेंटरशिप सपोर्ट विषयों पर आयोजित हुए तीन दिवसीय विविध कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें विश्वभर में हो रहे विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नवाचारों से अवगत कराना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही उन्होंने इस तरह के आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित कराने की आवश्यकता पर भी बल दिया। स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के निदेशक डॉ. राहुल कुमार मिश्रा ने जानकारी दी कि 23 अप्रैल से 25 अप्रैल तक चले इस कार्यक्रम के पहले दिन, स्कूल के विद्यार्थियों ने अपने नवीनतम तकनीकी विचारों को पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए अपने नवाचारों का प्रदर्शन किया। दूसरे दिन, एप्सक्वाडज के विशेषज्ञ श्री मनीष राणा ने विद्यार्थियों को एआई उपकरणों के उपयोग पर आधारित एक व्याख्यान दिया, उनका यह व्याख्यान नवाचारों के कार्यान्वयन में एआई के उपयोग को समझाने पर केंद्रित रहा। तीसरे दिन तीन चयनित विचारों को निर्णायक मंडल के सामने प्रस्तुत किया गया, जिसमें छात्रा पल्लवी को ह्यह्यजॉब पोर्टल डेमो के लिए प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इस पोर्टल में नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं के लिए सभी महत्वपूर्ण सुविधाएं मौजूद थीं। छात्र पीयूष को ह्यह्यहोटल बुकिंग डेमो के लिए द्वितीय स्थान मिला, जिसमें ऑनलाइन भुगतान और निःशुल्क रद्दीकरण जैसे विकल्प शामिल थे। छात्र जयंत को ह्यह्यहैप्पी पॉइंट-ए फूड कार्ट के डेमो के लिए तीसरा स्थान प्राप्त हुआ, यह वेब पोर्टल एक रेस्टोरेंट पर ऑनलाइन ऑर्डर करने से संबंधित था।

इस मौके पर आईआईसी के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार कार्यक्रम की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इस आयोजन ने न केवल प्रतिभागियों के कौशल को निखारा, बल्कि उनके भविष्य के तकनीकी दृष्टिकोण को भी प्रोत्साहन दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं में नवाचार और तकनीकी सोच को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम रही, और भविष्य में इसे और बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में निर्णायकों के रूप में स्कूल के निदेशक प्रो. मिश्रा, कंप्यूटर एप्लीकेशंस के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला एवं कंप्यूटर इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र सिंह रहे। आईएफटीएम-बीआईएफ के सीईओ डॉ. वैभव त्रिवेदी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. ललित जौहरी, डॉ. अभिषेक कुमार मिश्रा एवं आईआईसी के संयोजक डॉ. अतानु नाग की भूमिका महत्वपूर्ण रही। इस अवसर पर स्कूल के कई शिक्षक व 50 से अधिक प्रतिभागी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। वि0

आईएफटीआईएम में हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीआईएम विश्वविद्यालय में फामेर्सी संकाय एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), मुरादाबाद के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में उपस्थित फामेर्सी संकाय के डीन डॉ. नवनीत वर्मा ने कहा कि शरीर के लिए रक्त परम आवश्यक पदार्थ है, इसलिए रक्तदान को महादान कहा जाता है। उन्होंने कहा कि समाज के अस्वस्थ लोगों को स्वस्थ रखने के लिए रक्तदान की बहुत बड़ी भूमिका बताते हुए रक्तदान के प्रति विद्यार्थियों का व्यावहारिक ज्ञान बढ़ाने की दृष्टि से विस्तार के साथ अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही उन्होंने किसी की जान बचाने के लिए लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया। इस अवसर आईएमए के प्रतिनिधि डॉ. अजय अरोरा ने विद्यार्थियों को रक्तदान के बारे में प्रोत्साहित करते हुए उन्हें रक्तदान के प्रति प्रेरित किया। वहीं साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फामेर्सी के निदेशक डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने रक्तदान शिविर के बारे में छात्र-छात्राओं को प्रेरणादाई जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि हम सभी को जनकल्याण हेतु अधिक से अधिक रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि रक्तदान शिविर का आयोजन सामाजिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है। इस मौके पर स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज के निदेशक डॉ. सुशील कुमार ने विद्यार्थियों को रक्तदान शिविर के बारे में प्रेरक जानकारी उपलब्ध कराई। रक्तदान शिविर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने समाज कल्याण के लिए आम जनमानस को रक्तदान के बारे में प्रोत्साहित करना सभी का कर्तव्य बताया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि रक्तदान शिविर का आयोजन सामाजिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है। कार्यक्रम के सफल संचालन में रक्तदान शिविर के समन्वयक व फामेर्सी संकाय के शिक्षक श्री त्रिभुवन वशिष्ठ समेत डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. अलंकार श्रीवास्तव, डॉ. शाहबाज खान एवं श्री दीपक चौधरी आदि अन्य शिक्षकों की विशेष भूमिका रही। इस रक्तदान शिविर के दौरान रक्तदान करने वाले 10 प्रतिभागियों के अलावा कई अन्य शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आईएफटीईएम में मास्टरिंग आईसी इंजिन्स विषय पर हुआ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के सेल फॉर डिफरेंटली एबल्ड स्टूडेंट एण्ड एसइडीजीज एवं स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के संयुक्त तत्वावधान में मास्टरिंग आईसी इंजिन्स विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस कार्यशाला में वे अपने व्यवहारिक ज्ञान को सुदृढ़ करें, ताकि भविष्य में इसका उपयोग बेहतर तरीके से कर सकें। कार्यशाला के दौरान सोनालिका ट्रैक्टर चंदौसी, संभल के सर्टिफाइड ट्रेनर इंजीनियर (ट्रैक्टर्स एंड इंजिन्स) इंजी. दिनेश कुमार ने प्रतिभागी विद्यार्थियों के साथ आईसी इंजिन्स की बारीकियों और नवीनतम तकनीकों पर चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को सम्बोधित कहा कि इस कार्यशाला में भाग लेकर आप आईसी इंजन के बारे में अपनी समझ और कौशल को निखार पाएंगे। इंजी.कुमार ने आईसी इंजन के सिद्धांत और कार्य प्रणाली पर आधारित जानकारी विद्यार्थियों से साझा की। साथ ही उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को वर्तमान की नवीनतम तकनीकों के बारे में जानकारी प्राप्त करते रहना चाहिए। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के व्यवहारिक ज्ञान को सुदृढ़ करने के लिए विषय अध्ययन के साथ-साथ कार्यशालाओं के आयोजन भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होते हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक व एग्रीकल्चरल साइंस इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष व डॉ. रमेश पाल ने कहा कि तकनीकी कौशल प्राप्त विद्यार्थी विश्व भर में कहां भी रोजगार हासिल कर सकते हैं। कार्यशाला के सफल आयोजन में आयोजन सचिव इंजी. सत्यार्थम की विशेष भूमिका रही। इस कार्यशाला में स्कूल के कई शिक्षकों के अलावा बी.टेक, कृषि अभियांत्रिकी एवं बी.एससी, कृषि के 38 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में 'मास्टरिंग आईसी इंजिन्स' विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के सेल फॉर डिफरेंटली एबल्ड स्टूडेंट एण्ड एसडीजीज एवं स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजी. नियरिंग के संयुक्त तत्वावधान में ''मास्टरिंग आईसी इंजिन्स'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस कार्यशाला में वे अपने व्यवहारिक ज्ञान को सुदृढ़ करें, ताकि भविष्य में इसका उपयोग बेहतर तरीके से कर सकें। कार्यशाला के दौरान सोनालि. का ट्रैक्टर चंदौसी, संभल के सर्टिफाइड ट्रेनर इंजीनियर (ट्रैक्टर्स एंड इंजिन्स) इंजी. दिनेश कुमार ने प्रतिभागी विद्यार्थियों के साथ आईसी इंजिन्स की बारीकियों और नवीनतम तकनीकों पर चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को सम्बोधित कहा कि इस कार्यशाला में भाग लेकर आप आईसी इंजन के बारे में अपनी समझ और कौशल को निखार पाएंगे। इंजी. कुमार ने आईसी इंजन के सिद्धांत और कार्य प्रणाली पर आधारित जानकारी विद्यार्थियों से साझा की। साथ ही उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को वर्तमान की नवीनतम तकनीकों के बारे में जानकारी प्राप्त करते रहना चाहिए। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के व्यवहारिक ज्ञान को सुदृढ़ करने के लिए विषय अध्ययन के साथ-साथ कार्यशालाओं के आयोजन भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होते हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक व एग्रीकल्चरल साइंस इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष व डॉ. रमेश पाल ने कहा कि तकनीकी कौशल प्राप्त विद्यार्थी विश्व भर में कहां भी रोजगार हासिल कर सकते हैं। कार्यशाला के सफल आयोजन में आयोजन सचिव इंजी. सत्यार्थम की विशेष भूमिका रही। इस कार्यशाला में स्कूल के कई शिक्षकों के अलावा बी.टेक, कृषि अभियांत्रिकी एवं बी.एससी, कृषि के **38** विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के 124 विद्यार्थियों को मिली जॉब

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से डिप्लोमा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 61, डिप्लोमा, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 34, डिप्लोमा, इलैक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन के 05, डिप्लोमा, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग के 01 एवं बी.टैक, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 23 विद्यार्थियों का आईएमटी मानेसर, गुरूग्राम स्थित कम्पनी 'केपी रिलायबल टैक्निक इंडिया प्रा0 लि0'' में आकर्षक वेतनमान पर चयन हुआ है। विद्यार्थियों की इस सफलता के लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि आप सभी पूरे मनोयोग से अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें और ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करें। प्रो. अग्रवाल ने यह भी कहा कि विद्यार्थी अपनी स्किल क्षमता में निरन्तर वृद्धि करते रहें। इस अवसर पर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल ने उक्त कम्पनी के एचआर मैनेजर श्री पंकज दुबे के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी पॉलीटैक्निक के निदेशक डॉ. वैभव त्रिवेदी एवं स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार ने भी चयनित विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं।

प्लेसमेंट ड्राइव सम्पन्न कराने में सीनियर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट अधिकारी श्री आशीष अग्रवाल तथा यूनिवर्सिटी पॉलीटैक्निक एवं स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट समन्वयक श्री अंकित अग्रवाल, अरविन्द चौधरी, श्री मौ0 जावेद, श्री संजीव सिंह, श्री संजीव भारद्वाज एवं श्री नदीम अहमद का योगदान रहा।

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद
शुक्रवार
2 मई 2025
02

आईएफटीएम में शिविर, 10 ने किया रक्तदान

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्योलय में फार्मेसी संकाय एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। फार्मेसी संकाय के डीन डॉ. नवनीत वर्मा ने कहा कि शरीर के लिए रक्त परम आवश्यक पदार्थ है, इसलिए रक्तदान को महादान कहा जाता है। इस दौरान 10 लोगों ने रक्तदान किया। त्रिभुवन वशिष्ठ, डॉ. श्वेता वर्मा आदि मौजूद रहे।

आईएफटीएम के 124 विद्यार्थियों को मिली जॉब

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से 124 विद्यार्थियों को जॉब ऑफर हुई है। विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि आप सभी पूरे मनोयोग से अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें। इस अवसर पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक केके बंसल, डॉ. वैभव त्रिवेदी, डॉ. मनोज कुमार, आशीष अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

मास्टरिंग आईसी इंजिन्स विषय पर कार्यशाला

मुरादाबाद। आईएफटीएम के सेल फॉर डिफरेंटली एबल्ड स्टूडेंट एंड एसइडीजीज एवं स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के संयुक्त तत्वावधान में मास्टरिंग आईसी इंजिन्स विषय पर कार्यशाला हुई। विवि के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने कहा कि इस कार्यशाला में वे अपने व्यवहारिक ज्ञान को सुदृढ़ करें, ताकि भविष्य में इसका उपयोग बेहतर तरीके से कर सकें।

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद
सोमवार
12 मई 2025
02

प्रश्नोत्तरी में मोहम्मद अफ्फान बने विजेता

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में रविवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के तहत ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित हुई। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने कहा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस देश के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की उपलब्धियों का जश्न मनाने का एक अवसर देता है।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बीटेक कृषि इंजीनियरिंग के मोहम्मद अफ्फान प्रथम, बीटेक सिविल इंजीनियरिंग के मोहम्मद शावेज द्वितीय और बीटेक सिविल इंजीनियरिंग के वाशिद अली ने तृतीय स्थान हासिल किया।

मक्का क्षेत्र दिवस के उपलक्ष्य में आईएफटीएम विवि द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को जागरूक करते विशेषज्ञ। • हिन्दुस्तान

मक्का की खेती के प्रति किया जागरूक

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग एवं भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना के संयुक्त तत्वावधान में मक्का क्षेत्र दिवस रविवार को मनाया गया। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए समीपस्थ गांवों के किसानों को मक्का उत्पादन के लिए प्रेरित किया गया। डॉ. रमेश पाल, डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. आंचल सिंह आदि मौजूद रहे।

● आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'मक्का क्षेत्र दिवस' के अवसर

किसानों को मक्का उत्पादन के लिए किया गया प्रेरित

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग एवं भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना के संयुक्त तत्वावधान में "मक्का क्षेत्र दिवस" के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए समीपस्थ गांवों के किसानों को मक्का उत्पादन के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान आईआईएमआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस.एल. जाट ने विश्वविद्यालय के कृषि विभाग के शिक्षकों और किसानों के साथ विभिन्न किस्मों के मक्का के प्रदर्शन फार्मों का भ्रमण किया। उन्होंने उन्नत किस्मों की प्रजातियों की खूबियों के बारे में किसानों को अवगत कराया। डॉ. जाट ने बताया कि मक्का अन्न फसल का विश्व में सबसे अधिक उत्पादन होता है। साथ ही साथ मक्का कई व्यवसायिक उत्पादों को बनाने में काम आती है। इसके अलावा भारत सरकार की योजना के तहत एथनाल बनाने की प्रक्रिया में मक्का की अत्यधिक डिमांड है। किसानों को मक्का की खेती व्यावसायिक खेती के रूप सलाह देते हुए बताया कि मक्का को गन्ना के अलावा अन्य फसलों के साथ भी सहफसली के रूप में किसान लगा सकते हैं। बायर क्रॉप साइंस के श्री सुमित कुमार ने किसानों को मक्का फसल उत्पादन में आने वाली समस्याओं और उसके समाधान के बारे में जानकारी दी। विशेषज्ञों ने मक्का उत्पादन में नई तकनीकों जैसे उन्नत बीज, समेकित कीट प्रबंधन, जल संरक्षण और पोषक तत्वों के संतुलित प्रयोग की जानकारी दी। साथ ही साथ मक्का में लगने वाले कीट एवं खरपतवार प्रबंधन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। वहीं विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति-एकेडमिक एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अरुण कुमार मिश्रा, स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह समेत विश्वविद्यालय के स्कूलों के अन्य निदेशकों ने सभी किसानों और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

इस मौके पर स्कूल के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों को बुके और प्रतीक-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। डॉ. सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम किसानों को मक्का की उन्नत खेती, नवीनतम तकनीकों और बाजार संभावनाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। उन्होंने मक्का की खेती की बढ़ती महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह फसल न केवल खाद्य सुरक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि इसके औद्योगिक उपयोग भी लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने किसानों को मक्का के उन्नत किस्मों के बीजों और वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में किसानों के लिए एक प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें किसानों ने मक्का की खेती से जुड़े अपने सवाल पूछे, जिनके सरल और व्यावहारिक समाधान विशेषज्ञों ने प्रस्तुत भी किए, जिससे किसान काफी लाभान्वित हुए। डॉ. सिंह ने यह भी बताया कि इस कार्यक्रम में किसानों ने बढ़-चढ़कर कर पूरे उत्साह के साथ प्रतिभाग किया और कार्यक्रम के दौरान प्राप्त की गई जानकारियों को अपनाने की इच्छा भी जताई। कार्यक्रम का समापन कृषि विज्ञान एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के एक्टिविटी समन्वयक डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. आंचल सिंह समेत अन्य शिक्षकों का योगदान रहा। इस दौरान स्कूल के शिक्षक तथा समीपस्थ गांवों के 82 किसान और कृषि के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मक्का क्षेत्र दिवस के अवसर किसानों को मक्का उत्पादन के लिए किया गया प्रेरित

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग एवं भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना के संयुक्त तत्वावधान में मक्का क्षेत्र दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए समीपस्थ गांवों के किसानों को मक्का उत्पादन के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने कार्यकम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यकम के दौरान आईआईएमआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस.एल. जाट ने विश्वविद्यालय के कृषि विभाग के शिक्षकों और किसानों के साथ विभिन्न किस्मों के मक्का के प्रदर्शन फार्मों का भ्रमण किया। उन्होंने उन्नत किस्मों की प्रजातियों की खूबियों के बारे में किसानों को अवगत कराया। डॉ. जाट ने बताया कि मक्का अन्न फसल का विश्व में सबसे अधिक उत्पादन होता है। साथ ही साथ मक्का कई व्यवसायिक उत्पादों को बनाने में काम आती है। इसके अलावा भारत सरकार की योजना के तहत एथनाल बनाने की प्रक्रिया में मक्का की अत्यधिक डिमांड है। किसानों को मक्का की खेती व्यावसायिक खेती के रूप सलाह देते हुए बताया कि मक्का को गन्ना के अलावा अन्य फसलों के साथ भी सहफसली के रूप में किसान लगा सकते हैं। बायर क्रॉप साइंस के श्री सुमित कुमार ने किसानों को मक्का फसल उत्पादन में आने वाली समस्याओं और उसके समाधान के बारे में जानकारी दी। विशेषज्ञों ने मक्का उत्पादन में नई तकनीकों जैसे उन्नत बीज, समेकित कीट प्रबंधन, जल संरक्षण और पोषक तत्वों के संतुलित प्रयोग की जानकारी दी। साथ ही साथ मक्का में लगने वाले कीट एवं खरपतवार प्रबंधन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। वहीं विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति-एकेडमिक एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी, वित्त अधिकारी डॉ. क़ुशल पाल सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अरुण कुमार मिश्रा, स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह समेत विश्वविद्यालय के स्कूलों के अन्य निदेशकों ने सभी किसानों और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

इस मौके पर स्कूल के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों को बुके और प्रतीक-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। डॉ. सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम किसानों को मक्का की उन्नत खेती, नवीनतम तकनीकों और बाजार संभावनाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। उन्होंने मक्का की खेती की बढ़ती महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह फसल न केवल खाद्य सुरक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि इसके औद्योगिक उपयोग भी लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने किसानों को मक्का के उन्नत किस्मों के बीजों और वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में किसानों के लिए एक प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें किसानों ने मक्का की खेती से जुड़े अपने सवाल पूछे, जिनके सरल और व्यावहारिक समाधान विशेषज्ञों ने प्रस्तुत भी किए, जिससे किसान काफी लाभान्वित हुए। डॉ. सिंह ने यह भी बताया कि इस कार्यक्रम में किसानों ने बढ- चढ़कर कर पूरे उत्साह के साथ प्रतिभाग किया और कार्यक्रम के दौरान प्राप्त की गई जानकारियों को अपनाने की इच्छा भी जताई। कार्यक्रम का समापन कृषि विज्ञान एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के एक्टिविटी समन्वयक डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. आंचल सिंह समेत अन्य शिक्षकों का योगदान रहा। इस दौरान स्कूल के शिक्षक तथा समीपस्थ गांवों के ८२ किसान और कृषि के विद्यार्थी उपस्थित रहे। वि0

ा विश्वविद्यालय में 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' तहत हुआ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

देश के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की उपलब्धियों का जश्न मनाने और आने वाली पीढ़ी को भारत में तकनीकी विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने का एक अवसर देता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी दुनिया में चल रही प्रौद्योगिकी के बारे में अपडेट व जागरूक एवं प्रेरित होकर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की दिशा में लाभन्वित होंगे। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के कुल 110 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बी.टेक. , कृषि इंजीनियरिंग, प्रथम वर्ष के मोहम्मद अफ्फान प्रथम, बी.टेक., सिविल इंजीनियरिंग, तृतीय वर्ष वर्ष के मोहम्मद शावेज द्वितीय एवं बी. टेक., सिविल इंजीनियरिंग, तृतीय वर्ष के वाशिद अली को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस मौके पर आईआईसी के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार ने "राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस" के सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि दुनिया नवाचार और प्रौद्योगिकी से भरी हुई है। उन्होंने कहा कि आज हम उन वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के योगदान को याद करते हैं, जिन्होंने भारत की वृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस युवाओं को विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में करियर बनाने के लिए भी प्रेरित करता है। इस ऑनलाइन प्रतियोगिता का संचालन आयोजन सचिव व यांत्रिकी विभाग के डॉ. विनीत सिंह एवं आईआईसी के संयोजक डॉ. अतनु नाग ने संयुक्त रूप से किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' मनाए जाने के तहत हुआ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशंस इना. वेशन काउंसिल (आईआईसी) और स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में "राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस" मनाए जाने के अंतर्गत एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्व. विद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि "राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस" हम सभी को देश के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की उपलब्धियों का जश्न मनाने और आने वाली पीढ़ी को भारत में तकनीकी विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने का एक अवसर देता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी दुनिया में चल रही प्रौद्योगिकी के बारे में अपडेट व जागरूक एवं प्रेरित होकर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की दिशा में लाभन्वित होंगे। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के कुल 110 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बी.टेक. , कृषि इंजीनियरिंग, प्रथम वर्ष के मोहम्मद अफ्फान प्रथम, बी.टेक., सिविल इंजीनियरिंग, तृतीय वर्ष वर्ष के मोहम्मद शावेज द्वितीय एवं बी. टेक., सिविल इंजीनियरिंग, तृतीय वर्ष के वाशिद अली को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस मौके पर आईआईसी के अध्यक्ष वं स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार ने "राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस" के सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि दुनिया नवाचार और प्रौद्योगिकी से भरी हुई है। उन्होंने कहा कि आज हम उन वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के योगदान को याद करते हैं, जिन्होंने भारत की वृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस युवाओं को विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में करियर बनाने के लिए भी प्रेरित करता है। इस ऑनलाइन प्रतियोगिता का संचालन आयोजन सचिव व यांत्रिकी विभाग के डॉ. विनीत सिंह एवं आईआईसी के संयोजक डॉ. अतनु नाग ने संयुक्त रूप से किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में फार्मेसी के संदर्भ में उद्यमिता के लिए औद्योगिक रुझान और डिजाइन के अवसर विषय पर चल रही तीन दिवसीय कार्यशाला का हुआ सफल समापन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशंस इन्नोवेशन काउंसिल (आईआईसी) और फैकल्टी ऑफ फामेर्सी के संयुक्त तत्वावधान में फामेर्सी के संदर्भ में उद्यमिता के लिए औद्योगिक रुझान और डिजाइन के अवसरद्ध विषय पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु आयोजन समिति के सभी सदस्यों को बधाई दी। कार्यशाला का शुभारंभ कार्यक्रम अध्यक्ष व डीन ऑफ फामेर्सी डॉ. नवनीत वर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्पण कर किया। कार्यशाला के पहले दिन ओम काली फार्मास्यूटिकल, बरेली के निदेअ शक डॉ. ललित सिंह ने छात्र-छात्राओं को उद्यमशीलता के बारे में जागरूक करते हुए ओम काली फार्मास्यूटिकल कंपनी की संस्थापना के सम्बन्ध में जानकारी दी। वहीं कार्यशाला के दूसरे दिन आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. राकेश कुमार यादव ने फामेर्सी में उधमशीलता के विभिन्न अवसरों के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों द्वारा जिज्ञासावश पूछे गए सभी प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर भी दिया। साथ ही उन्होंने ऑनलाइन फामेर्सी और टेलीफामेर्सी के बारे में भी विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यशाला के तीसरे दिन आयोजन सचिव व अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को उद्यमी बनने की प्रेरणा दी।

इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक व स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. सुशील कुमार ने भी विद्यार्थियों को फार्मा कंपनी स्थापित करने के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया। आईआईसी के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार ने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को इस कार्यशाला में प्राप्त हुई जानकारी को आत्मसात करने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन क्रमशः डॉ पूजा सैनी, सुश्री शीतल नेगी एवं सुश्री एकता ने किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में डॉक्टर प्रशांत उपाध्याय, डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. विजय शर्मा, डॉ. अलंकार श्रीवास्तव, श्री त्रिभुवन वशिष्ठ, डॉ. रीता यादव, श्री मुन्ना सिंह, सुश्री दीपिका व्यास एवं सुश्री सृष्टि गोयल का प्रमुख योगदान रहा। कार्यक्रम की समन्वयिका डॉ. सुकीर्ति उपाध्याय ने बताया कि इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय विभिन्न स्कूलों के 120 प्रतिभागी विद्यार्थियों समेत कई शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। वि0

आईएफटीआईएम विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों हेतु आयोजित किया गया शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ साइंसेज के वनस्पति विज्ञान विभाग की ओर से विद्यार्थियों के लिए ह्यजिम कॉर्बेट नेशनल पार्क, रामनगर, उत्तराखंड और माँ गर्जिया देवी मंदिरह्ल भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों को प्रकृति, जैव विविधता, वन्यजीव संरक्षण और सांस्कृतिक धरोहरों के बारे में प्रत्यक्ष रूप से समझने का अनुभव उपलब्ध कराना इस भ्रमण कार्यक्रम का उद्देश्य रहा। इस भ्रमण कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान विभाग के एम.एस.सी., बॉटनी पाठ्यक्रम में अध्ययनरत कुल 24 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के निर्देशन व उनकी सुविधा हेतु 7 शिक्षकगण एवं 3 शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण भी भ्रमण के दौरान उपस्थित रहे। भ्रमण की शुरूआत में विद्यार्थियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को दृष्टिगत रखते हुए माँ गर्जिया देवी मंदिर स्थल पहुँचकर वहां के पहाड़ों, नदी के निर्मल जल आदि अलौकिक प्राकृतिक वातावरण का अनुभव करने के साथ ही माँ गर्जिया देवी मंदिर के सम्बन्ध में धार्मिक और सांस्कृतिक आस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। तदोपरान्त विद्यार्थियों साथ रहे शिक्षकों के कुशल निर्देशन में जिम कॉर्बेट पार्क में सफारी के माध्यम से बाघ, हिरण, हाथी, पक्षियों एवं अन्य कई वन्य जीवों को देखने के साथ ही वहां के पौधों और वृक्षों के बारे में जानकारी प्राप्त की, इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा जिज्ञासावश पूछे गए प्रश्नों के मौजूद रहे शिक्षकों ने उत्तर भी दिए।

स्कूल के निदेशक डॉ. सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए यह शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम ज्ञानवर्धक रहने के साथ ही इस भ्रमण के माध्यम से उनमें पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता के प्रति संवेदनशीलता भी विकसित हुई। उन्होंने बताया कि यह भ्रमण कार्यक्रम विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीवों के महत्व और पारिस्थितिकी तंत्र की जटिलताओं को समझने में लाभदायी सिद्ध हुआ। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की और इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों को भविष्य में भी आयोजित कराने पर बल दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देश दीपक समेत डॉ. अशोक कुमार, डॉ. पूजा नारंग, डॉ. समीर चंद्रा, डॉ. शिव प्रताप सिंह, डॉ. उदित यादव, डॉ. वंदना आनंद एवं सुश्री मीनू आदि शिक्षकों समेत श्री हरिओम शर्मा आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वि0

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में वर्तमान परिवेश में भारतीय संविधान की प्रासंगिकता विषय पर हुआ एक दिवसीय नेशनल सेमिनार का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के समाज शास्त्र एवं समाज कार्य विभाग की ओर से वर्तमान परिवेश में भारतीय संविधान की प्रासंगिकता विषय पर एक दिवसीय नेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन व अधिवक्ता एवं मुरादाबाद के बार एसोसिएशन एवं लाइब्रेरी के महासचिव अभिषेक भटनागर, स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के सिंह और स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक डॉ. मोहन लाल आर्य ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर सेमिनार का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने सेमिनार के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। सेमिनार के रिसोर्स पर्सन श्री भटनागर ने कहा कि सभी को संविधान की प्रस्तावना का अध्ययन अवश्य करना चाहिए, ताकि हमें अपने अधिकारों एवं अनुशासित रहने का ज्ञान प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा तैयार किया गया। भारत का संविधान का नाम विश्व के कई देशों में बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे देश का संविधान सभी देशवासियों को एक सूत्र मे पिरोता है। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक डॉ. आर्य ने बुके और प्रतीक-चिन्ह भेंट कर सभी अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. आर्य ने कहा कि इस सेमिनार के आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों में संविधान के प्रति गहरी समझ का संचार करना रहा। समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग की विभागाध्यक्षा व सेमिनार की संयोजिका डॉ. सरिता त्रिकोटी ने सेमिनार की रूप रेखा प्रस्तुत की। सेमिनार में दो तकनीकी सत्र रखे गए। डॉ. सरिता ने बताया कि सेमिनार हाइब्रिड माध्यम से आयोजित किया गया है। सेमिनार का संचालन बीए, प्रथम वर्ष की छात्राओं आकांक्षा और अनुभी यादव ने किया। अंत में सेमिनार के सह संयोजक व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शुक्ल ने सभी उपस्थितों के प्रति आभार व्यक्त किया। सेमिनार के सफल आयोजन में श्री पुलकित शर्मा, श्री भावेश मिश्रा, डॉ. अखिलेश पांडेय, डॉ. मोहित मिश्रा, श्री गजेंद्र सिंह की विशेष भूमिका रही। इस दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, शिक्षक, शोधार्थियों समेत आईएफटीएम विश्वविद्यालय के अलावा देश विभिन्न राज्यों के प्रतिष्ठित संस्थानों के 260 से अधिक प्रतिभागी सेमिनार में हाइब्रिड माध्यम से जुड़े। वि

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के 43 विद्यार्थियों को मिली जॉब

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमैंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से एमबीए के 01 विद्यार्थी का नई दिल्ली स्थित कम्पनी जीएमजीआर इंडिया प्रा0 लि0 बीएड के 03, एमए के 02 विद्यार्थियों का असमोली, सम्भल स्थित एएलपीएस इंटरनेशनल स्कूल एवं डिप्लोमा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 20, डिप्लोमा, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 03, डिप्लोमा, इलैक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के 06, बी.टैक, इलैक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के 01, बी.टैक, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 03 तथा बी.टैक, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 04 विद्यार्थियों का आईएमटी मानेसर, गुरूग्राम स्थित कम्पनी ह्यसन वैक्यूम फॉरमर्स प्रा0 लि0 में आकर्षक वेतनमान पर चयन हुआ है। विद्यार्थियों की इस सफलता के लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि आप सभी पूरे मनोयोग से अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें और ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करें। प्रो. अग्रवाल ने यह भी कहा कि विद्यार्थी अपनी स्किल क्षमता में निरन्तर वृद्धि करते रहें। इस अवसर पर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल ने उक्त कम्पनियों के एचआर मैनेजर मिस रूबी अग्रवाल, श्री रविन्द्र कुमार यादव एवं श्री विनायक दुबे के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी पॉलीटैक्निक के निदेशक डॉ. वैभव त्रिवेदी, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमैंट की निदेशिका डॉ. निशा अग्रवाल, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार एवं स्कूल ऑफ एजुकेकेशन एण्ड ह्यूमैनिटीज ने भी चयनित विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं। प्लेसमेंट ड्राइव सम्पन्न कराने में सीनियर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट अधिकारी आशीष अग्रवाल तथा यूनिवर्सिटी पॉलीटैक्निक, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमैंट, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी एवं स्कूल ऑफ एजुकेकेशन एण्ड ह्यूमैनिटीज के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट समन्वयक अंकित अग्रवाल, अरविन्द चौधरी, डॉ. संजय कुमार सिंह, डॉ. अंकुश सक्सेना, डॉ. इला अरोरा, डॉ. मोहित मिश्रा, डॉ. परीना बंसल, सुश्री रश्मि पाण्डेय, अंकित अग्रवाल, अरविन्द चौधरी, मौ0 जावेद, संजीव कुमार सिंह, मुनेन्द्र कुमार, अमर शर्मा एवं नदीम अहमद का योगदान रहा।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, शुक्रवार, 16 मई 2025 **04**

आईएफटीएम के 43 विद्यार्थियों को मिली जॉब

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से अलग-अलग कोर्सों के 43 छात्रों का चयन आकर्षक वेतनमान पर हुआ है। छात्रों की इस सफलता पर विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने बधाई दी। प्रो. अग्रवाल, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक केके बंसल, रूबी अग्रवाल, रविंद्र कुमार यादव, विनायक दुबे आदि मौजूद रहे।

अमर उजाला

amarujala.com

मुरादाबाद | शुक्रवार, 16 मई 2025

7

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के 43 विद्यार्थियों को मिली नौकरी

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 43 विद्यार्थियों का नौकरी के लिए चयन किया गया। विभिन्न कंपनियों में विद्यार्थियों की चयन होने पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आप सभी पूरे मनोयोग से अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें और ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करें। विद्यार्थी अपनी कौशल क्षमता में लगातार वृद्धि करते रहें। इस दौरान निदेशक केके बंसल, रूबी अग्रवाल, रविन्द्र कुमार यादव, विनायक दुबे आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

आईएफटीएम के 43 विद्यार्थियों को मिली जॉब

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमैंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से एमबीए के 01 विद्यार्थी का नई दिल्ली स्थित कम्पनी ''जीएमजीआर इंडिया प्रा0 लि0''; बीएड के 03, एमए के 02 विद्यार्थियों का असमोली, सम्भल स्थित ''एएलपीएस इंटरनेशनल स्कूल'' एवं डिप्लोमा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 20, डिप्लोमा, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 03, डिप्लोमा, इलैक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के 06, बी.टैक, इलैक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के 01, बी.टैक, मैकेनिकल इंजी. नियरिंग के 03 तथा बी.टैक, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 04 विद्यार्थियों का आईएमटी मानेसर, गुरूग्राम स्थित कम्पनी 'सन वैक्यूम फॉरमर्स प्रा0 लि0'' में आकर्षक वेतनमान पर चयन हुआ है। विद्यार्थियों की इस सफलता के लिए विश्व. विद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि आप सभी पूरे मनोयोग से अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें और ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करें। प्रो. अग्रवाल ने यह भी कहा कि विद्यार्थी अपनी स्किल क्षमता में निरन्तर वृद्धि करते रहें। इस अवसर पर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल ने उक्त कम्पनियों के एचआर मैनेजर मिस रूबी अग्रवाल, श्री रविन्द्र कुमार यादव एवं श्री विनायक दुबे के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी पॉलीटैक्निक के निदेशक डॉ. वैभव त्रिवेदी, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमैंट की निदेशिका डॉ. निशा अग्रवाल, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निद. ेशक डॉ. मनोज कुमार एवं स्कूल ऑफ एजुकेकेशन एण्ड ह्यूमैनिटीज ने भी चयनित विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं। प्लेसमेंट ड्राइव सम्पन्न कराने में सीनियर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट अधिकारी आशीष अग्रवाल तथा यूनिवर्सिटी पॉलीटैक्निक, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमैंट, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी एवं स्कूल ऑफ एजुकेकेशन एण्ड ह्यूमैनिटीज के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट समन्वयक श्री अंकित अग्रवाल, अरविन्द चौधरी, डॉ. संजय कुमार सिंह, डॉ. अंकुश सक्सेना, डॉ. इला अरोरा, डॉ. मोहित मिश्रा, डॉ. परीना बंसल, सुश्री रश्मि पाण्डेय, अंकित अग्रवाल, अरविन्द चौधरी, मौ0 जावेद, संजीव कुमार सिंह, मुनेन्द्र कुमार, अमर शर्मा एवं श्री नदीम अहमद का योगदान रहा।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के 43 विद्यार्थियों को मिली जॉब

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमैंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से एमबीए के 01 विद्यार्थी का नई दिल्ली स्थित कम्पनी जीएमजीआर इंडिया प्रा0 लि0; बीएड के 03, एमए के 02 विद्यार्थियों का असमोली, सम्भल स्थित एएलपीएस इंटरनेशनल स्कूल एवं डिप्लोमा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 20, डिप्लोमा, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 03, डिप्लोमा, इलैक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के 06, बी.टैक, इलैक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के 01, बी.टैक, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 03 तथा बी.टैक, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 04 विद्यार्थियों का आईएमटी मानेसर, गुरूग्राम स्थित कम्पनी सन वैक्यूम फॉरमर्स प्रा0 लि0 में आकर्षक वेतनमान पर चयन हुआ है। विद्यार्थियों की इस सफलता के लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि आप सभी पूरे मनोयोग से अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें और ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करें। प्रो. अग्रवाल ने यह भी कहा कि विद्यार्थी अपनी स्किल क्षमता में निरन्तर वृद्धि करते रहें। इस अवसर पर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल ने उक्त कम्पनियों के एचआर मैनेजर मिस रूबी अग्रवाल, श्री रविन्द्र कुमार यादव एवं श्री विनायक दुबे के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी पॉलीटैक्निक के निदेशक डॉ. वैभव त्रिवेदी, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमैंट की निदेशिका डॉ. निशा अग्रवाल, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार एवं स्कूल ऑफ एजुकेकेशन एण्ड ह्यूमैनिटीज ने भी चयनित विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं। प्लेसमेंट ड्राइव सम्पन्न कराने में सीनियर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट अधिकारी श्री आशीष अग्रवाल तथा यूनिवर्सिटी पॉलीटैक्निक, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमैंट, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी एवं स्कूल ऑफ एजुकेकेशन एण्ड ह्यूमैनिटीज के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट समन्वयक अंकित अग्रवाल, अरविन्द चौधरी, डॉ. संजय कुमार सिंह, डॉ. अंकुश सक्सेना, डॉ. इला अरोरा, डॉ. मोहित मिश्रा, डॉ. परीना बंसल, रश्मि पाण्डेय, अंकित अग्रवाल, अरविन्द चौधरी, मौ0 जावेद, संजीव कुमार सिंह, मुनेन्द्र कुमार, अमर शर्मा एवं नदीम अहमद का योगदान रहा। वि0

आईएफटीएम विश्वविद्यालय की शिक्षिका डॉ. राशी श्रीवास्तव का योगदान बहुप्रतिष्ठित महिला पत्रिका

‘शी इंस्पायर’ के विशेष संस्करण ‘भारत की सर्वाधिक प्रशंसित महिलाएं’ में हुआ प्रकाशित

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की शिक्षिका डॉ. राशी श्रीवास्तव के योगदान को बहुप्रतिष्ठित महिला पत्रिका "शी इंस्पायर" ने अप्रैल, 2025 के अपने विशेष संस्करण "भारत की सर्वाधिक प्रशंसित महिलाएँ 2025" में प्रकाशित किया है। हाइपेज नेटवर्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर द्वारा प्रकाशित इस डिजिटल पत्रिका के प्रबंध संपादक के अनुसार इस अंक में शामिल प्रत्येक महिला को मानसिकता और कार्रवाई दोनों में परिवर्तन को प्रभावित करने की उनकी क्षमता के लिए चुना गया है। इस पत्रिका में डॉ. श्रीवास्तव समेत देश के अलग-अलग क्षेत्रों में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने वाली कई अन्य महिलाओं में रिलायंस फाउंडेशन की अध्यक्षा नीता अंबानी, भारतीय अभिनेत्री दीपिका पादुकोण, भारतीय पेशेवर निशानेबाज मनु भाखर एवं इन्फोसिस फाउंडेशन की संस्थापक-अध्यक्षा सुधा मूर्ति आदि के साथ ही कई अन्य महिलाओं के नाम शामिल हैं। डॉ. श्रीवास्तव की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल एवं प्रति कुलाधिपति अभिनव कोठीवाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने डॉ. श्रीवास्तव की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इस उत्कृष्ट पत्रिका में स्थान मिलना अपने आप में एक बड़ी बात है तथा इससे विश्वविद्यालय का नाम ऊंचा हुआ है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षकों की उपलब्धियों से विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलती है। डॉ. श्रीवास्तव के कॅरियर के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक उनकी पुस्तक, बायोइनफॉरमैटिक्स इन कैंसर इम्यूनोजेनोमिक्स का प्रकाशन था, जो कैंसर को समझने में कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी की भूमिका में उनके गहन शोध को दर्शाता है। उन्हें एक और महत्वपूर्ण सफलता तब मिली जब उन्हें लक्षित दवा वितरण के उद्देश्य से नैनोकणों को विकसित करने के लिए पेटेंट दिया गया- एक मील का पत्थर साबित हुआ, जिसने उनके काम को वैश्विक सुर्खियों में ला दिया। डॉ. श्रीवास्तव ने अध्यापन और शोध के 16 वर्षों के समृद्ध अनुभव के साथ बायोइन्फॉर्मेटिक्स और बायोटेक्नोलॉजी के उभरते क्षेत्रों में अपने लिए एक जगह बनाई है। उन्हें वर्ष 2022 में विमेन रिसर्चर अवॉर्ड, एक्सीलेंट टीचर अवॉर्ड तथा वर्ष 2024 में टॉप 100 हाइली इफेक्टिव टीचर्स अवॉर्ड मिल चुका है। वर्तमान में डॉ. श्रीवास्तव कैंसर जीनोमिक्स और ड्रग डिलीवरी सिस्टम में डॉक्टरेट अनुसंधान की देखरेख कर रही हैं, जो उनके पेटेंट किए गए शोध की नींव पर आधारित है। विश्वविद्यालय में मेंटरिंग और काउंसलिंग सेल के समन्वयक के रूप में सेवा कर रही हैं, और उसी भावना से भविष्य के वैज्ञानिकों को आकार दे रही हैं। साथ ही वह विभिन्न विश्वविद्यालयों में बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) की सदस्या भी हैं। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स डॉ. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अरुण कुमार मिश्रा, आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. आर.के. यादव, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. तंजील अहमद समेत विश्वविद्यालय के अधिकारियों, विभिन्न स्कूलों निदेशकों, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों और सभी कर्मचारियों ने डॉ. श्रीवास्तव को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

डॉ. राशी श्रीवास्तव

अमर उजाला

amarujala.com

मुरादाबाद | शनिवार, 24 मई 2025

7

विशेष संस्करण में प्रकाशित हुआ राशि का योगदान

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की शिक्षिका डॉ. राशि श्रीवास्तव के योगदान को महिला पत्रिका शी इंस्पायर के विशेष संस्करण भारत की सर्वाधिक प्रशंसित महिलाएं 2025 प्रकाशित किया गया है। हाइपेज नेटवर्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड जयपुर द्वारा प्रकाशित इस डिजिटल पत्रिका के प्रबंध संपादक के अनुसार इस अंक में शामिल प्रत्येक महिला को मानसिकता और कार्रवाई दोनों में परिवर्तन को प्रभावित करने की उनकी क्षमता के लिए चुना गया है। इस पत्रिका में डॉ. राशि श्रीवास्तव समेत नीता अंबानी, दीपिका पादुकोण, मनु भाखर, सुधा मूर्ति सहित कई अन्य महिलाओं के नाम शामिल हैं। डॉ. राशि श्रीवास्तव के कॅरियर के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक उनकी पुस्तक बायोइनफॉरमैटिक्स इन कैंसर इम्यूनोजेनोमिक्स का प्रकाशन था, जो कैंसर को समझने में कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी की भूमिका में उनके गहन शोध को दर्शाता है। ब्यूरो

डॉ. राशि श्रीवास्तव

शी इंस्पायर के विशेष संस्करण मे प्रकाशित हुआ आईएफटीएम की शिक्षिका डॉ. राशी श्रीवास्तव का योगदान

कुलाधिपति राजीव कोठीवाल एवं प्रतिकुलाधिपति अभिनव कोठीवाल ने जताया हर्ष, दी शुभकानाएं

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की शिक्षिका डॉ. राशी श्रीवास्तव के योगदान को बहुप्रतिष्ठित महिला पत्रिका शी इंस्पायर ने अप्रैल, 2025 के अपने विशेष संस्करण भारत की सर्वाधिक प्रशंसित महिलाएँ 2025 में प्रकाशित किया है। हाइपेज नेटवर्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर द्वारा प्रकाशित इस डिजिटल पत्रिका के प्रबंध संपादक के अनुसार इस अंक में शामिल प्रत्येक महिला को मानसिकता और कार्रवाई दोनों में परिवर्तन को प्रभावित करने की उनकी क्षमता के लिए चुना गया है। इस पत्रिका में डॉ. श्रीवास्तव समेत देश के अलग-अलग क्षेत्रों में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने वाली कई अन्य महिलाओं में रिलायंस फाउंडेशन की अध्यक्षा नीता अंबानी, भारतीय अभिनेत्री दीपिका पादुकोण, भारतीय पेशेवर निशानेबाज मनु भाखर एवं इन्फोसिस फाउंडेशन की संस्थापक-अध्यक्षा सुधा मूर्ति आदि के साथ ही कई अन्य महिलाओं के नाम शामिल हैं। डॉ.

श्रीवास्तव की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल एवं प्रतिकुलाधिपति अभिनव कोठीवाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने डॉ. श्रीवास्तव की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इस उत्कृष्ट पत्रिका में स्थान मिलना अपने आप में एक बड़ी बात है तथा इससे विश्वविद्यालय का नाम ऊंचा हुआ है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षकों की उपलब्धियों से विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलती है। डॉ. श्रीवास्तव के कॅरियर के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक उनकी पुस्तक, बायोइनफॉरमैटिक्स इन कैंसर इम्यूनोजेनोमिक्स का प्रकाशन था, जो कैंसर को समझने में कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी की भूमिका में उनके गहन शोध को दर्शाता है। उन्हें एक और महत्वपूर्ण सफलता तब मिली जब उन्हें लक्षित दवा वितरण के उद्देश्य से नैनोकणों को विकसित करने के लिए पेटेंट दिया गया-एक मील का पत्थर साबित हुआ, जिसने उनके काम को वैश्विक सुर्खियों में ला दिया। डॉ. श्रीवास्तव ने अध्यापन और शोध के 16 वर्षों के समृद्ध अनुभव के साथ बायोइन्फॉर्मेटिक्स और बायोटेक्नोलॉजी के उभरते क्षेत्रों में अपने लिए एक जगह बनाई है। उन्हें वर्ष 2022 में विमेन रिसर्चर अवॉर्ड, एक्सीलेंट टीचर अवॉर्ड तथा वर्ष 2024 में टॉप 100 हाइली इफेक्टिव टीचर्स अवॉर्ड मिल चुका है। वर्तमान में डॉ. श्रीवास्तव कैंसर जीनोमिक्स और ड्रग डिलीवरी सिस्टम में डॉक्टरेट अनुसंधान की देखरेख कर रही हैं, जो उनके पेटेंट किए गए शोध की नींव पर आधारित है। विश्वविद्यालय में मेंटरिंग और काउंसलिंग सेल के समन्वयक के रूप में सेवा कर रही हैं, और उसी भावना से भविष्य के वैज्ञानिकों को आकार दे रही हैं। साथ ही वह विभिन्न विश्वविद्यालयों में बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) की सदस्या भी हैं। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स डॉ. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अरुण कुमार मिश्रा, आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. आर.के. यादव, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. तंजील अहमद समेत विश्वविद्यालय के अधिकारियों, विभिन्न स्कूलों निदेशकों, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों और सभी कर्मचारियों ने डॉ. श्रीवास्तव को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुरादाबाद, 31 मई, 2025 दैनिक जागरण 9

ओंकार सरन की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

आइएफटीएम विवि में संस्थापक स्व .ओंकार सरन की प्रतिमा पर माल्यापर्ण करते कुलाधिपति • सौ.विवि

मुरादाबाद: आइएफटीएम विवि के संस्थापक स्व. ओंकार सरन कोठीवाल की 18वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने स्व.ओंकार सरन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में योगदान पर चर्चा की। प्रतिकुलाधिपति अभिनव कोठीवाल, विश्वविद्यालय कार्यकारिणी की सदस्य रश्मि कोठीवाल, नव्या कोठीवाल एवं अव्यन कोठीवाल ने स्व. ओंकार सरन कोठीवाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पांडे, कुलसचिव डा. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति एक्सटर्नल अफेयर्स डा. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- एकेडेमिक एंड एडमिनिस्ट्रेशन डा. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट डा. नवनीत वर्मा समेत अन्य मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, शनिवार, 31 मई 2025 10

आईएफटीएम के संस्थापक ओंकार सरन कोठीवाल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देते दी।

आईएफटीएम के संस्थापक को किया याद

मुरादाबाद, कार्यालय संवाददाता। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, शिक्षाविद् व आईएफटीएम के संस्थापक ओंकार सरन कोठीवाल की शुक्रवार को पुण्यतिथि मनाई गई। विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प व माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विवि के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल, प्रतिकुलाधिपति अभिनव कोठीवाल, विवि कार्यकारिणी की सदस्य रश्मि कोठीवाल, प्रपौत्री नव्या कोठीवाल, प्रपौत्र अव्यन कोठीवाल ने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कुलाधिपति ने ओंकारसरन कोठीवाल को श्रद्धांजलि देते हुए उनकी उपलब्धियों को उनकी दूरदर्शिता का ही परिणाम बताया। कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति एक्सटर्नल अफेयर्स डॉ. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति एकेडेमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी आदि मौजूद रहे।

आईएफटीएम के संस्थापक स्व. ओंकार सरन कोठीवाल की 18वीं पुण्यतिथि के अवसर पर अर्पित की गई श्रृद्धांजलि

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी, शिक्षाविद् एवं आईएफटीएम के संस्थापक स्व. ओंकार सरन कोठीवाल की पुण्य तिथि के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प व माल्यार्पण कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति राजीव कोठीवाल, प्रतिकुलाधिपति अभिनव कोठीवाल, विश्वविद्यालय कार्यकारिणी की सम्मानित सदस्या श्रीमती रश्मि कोठीवाल, प्रपौत्री नव्या कोठीवाल एवं प्रपौत्र अव्यन कोठीवाल ने स्व. ओंकार सरन कोठीवाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गई समस्त उपलब्धियों का श्रेय स्व. ओंकार सरन कोठीवाल को देते हुए सभी उपलब्धियों को उनकी दूरदर्शिता का ही परिणाम बताया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने अपने सम्बोधन में 90 के दशक में शिक्षा की अलख जगाने वाले स्व. ओंकार सरन कोठीवाल के कई उत्कृष्ट योगदान और सभी के प्रति उनके अपार स्नेह को उपस्थित गणमान्य लोगों के साथ साझा किया। कुलपति प्रो. पाण्डेय एवं सभी उपस्थितों ने स्व0 ओंकार सरन कोठीवाल की अपेक्षाओं पर खरा उतरने हेतु उनके द्वारा प्रदीप्त इस ज्योति को सदैव आलोकित करने का संकल्प भी लिया। प्रो. पाण्डेय ने यह भी कहा कि हम सभी के प्रयास से विश्वविद्यालय को वैश्विक पहचान मिलेगी। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स डॉ. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- एकेडेमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह. परीक्षा नियंत्रक डॉ. अनुज श्रीवास्तव, ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल, डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. अरूण कुमार मिश्रा, आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. आर.के. यादव, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमैंट की निदेशिका डॉ. निशा अग्रवाल, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार, स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. तंजील अहमद, स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक डॉ. एस.बी. मिश्रा, स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक डॉ. मोहन लाल आर्य, डॉ. एस.डी. शर्मा, डॉ. राजकुमारी सिंह, आईटी सर्विसिज के निदेशक डॉ. दीपांकर भारद्वाज, चीफ प्रॉक्टर डॉ. हरप्रीत सिंह, लाइब्रेरियन डॉ. बी.एस. राजपूत, चीफ कैम्पस इंजीनियर चन्द्रशेखर नागिला समेत शिक्षकगणों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने भी स्व. ओंकार सरन कोठीवाल की प्रतिमा पर पुष्प व माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

अमर उजाला

amarujala.com

मुरादाबाद | शनिवार, 31 मई 2025

ओंकार सरन कोठीवाल की पुण्यतिथि मनाई गई

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शिक्षाविद् एवं आईएफटीएम के संस्थापक स्वर्गीय ओंकार सरन कोठीवाल की पुण्यतिथि मनाई गई। विवि के कुलपति राजीव कोठीवाल, प्रतिकुलाधिपति अभिनव कोठीवाल, विश्वविद्यालय कार्यकारिणी सदस्य रश्मि कोठीवाल, नव्या कोठीवाल एवं अव्यन ने स्व. ओंकार कोठीवाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। कुलाधिपति कोठीवाल ने विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गई उपलब्धियों का श्रेय स्व. ओंकार सरन कोठीवाल को देते हुए सभी उपलब्धियों को उनकी दूरदर्शिता परिणाम बताया। ब्यूरो

कॉलेज में श्रद्धांजलि देते लोग। स्रोत : कॉलेज

आईएफटीएम के संस्थापक स्व. ओंकार सरन कोठीवाल की 18वीं पुण्यतिथि के अवसर पर अर्पित की गई श्रद्धांजलि

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी, शिक्षाविद् एवं आईएफटीएम के संस्थापक स्व. ओंकार सरन कोठीवाल की पुण्य तिथि के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प व माल्यार्पण कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति राजीव कोठीवाल, प्रतिकुलाधिपति अभिनव कोठीवाल, विश्वविद्यालय कार्यकारिणी की सम्मानित सदस्या रश्मि कोठीवाल, प्रपौत्री नव्या कोठीवाल एवं प्रपौत्र अव्यन कोठीवाल ने स्व. ओंकार सरन कोठीवाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान कुलाधिपति कोठीवाल ने विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गई समस्त उपलब्धियों का श्रेय स्व. ओंकार सरन कोठीवाल को देते हुए सभी उपलब्धियों को उनकी दूरदर्शिता का ही परिणाम बताया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने अपने सम्बोधन में 90 के दशक में शिक्षा की अलख जगाने वाले स्व. ओंकार सरन कोठीवाल के कई उत्कृष्ट योगदान और सभी के प्रति उनके अपार स्नेह को उपस्थित गणमान्य लोगों के साथ साझा किया। कुलपति प्रो. पाण्डेय एवं सभी उपस्थितों ने स्व0 ओंकार सरन कोठीवाल की अपेक्षाओं पर खरा उतरने हेतु उनके द्वारा प्रदीप्त इस ज्योति को सदैव आलोकित करने का संकल्प भी लिया। प्रो. पाण्डेय ने यह भी कहा कि हम सभी के प्रयास से विश्वविद्यालय को वैश्विक पहचान मिलेगी।

इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स डॉ. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- एकेडेमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह. परीक्षा नियंत्रक डॉ. अनुज श्रीवास्तव, ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल, डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. अरूण कुमार मिश्रा, आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. आर.के. यादव, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमैंट की निदेशिका डॉ. निशा अग्रवाल, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार, स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. तंजील अहमद, स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक डॉ. एस.बी. मिश्रा, स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक डॉ. मोहन लाल आर्य, डॉ. एस.डी. शर्मा, डॉ. राजकुमारी सिंह, आईटी सर्विसिज के निदेशक डॉ. दीपांकर भारद्वाज, चीफ प्रॉक्टर डॉ. हरप्रीत सिंह, लाइब्रेरियन डॉ. बी.एस. राजपूत, चीफ कैम्पस इंजीनियर चन्द्रशेखर नागिला समेत शिक्षकगणों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने भी स्व. ओंकार सरन कोठीवाल की प्रतिमा पर पुष्प व माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। वि0

आईएफटीएम के संस्थापक स्व. ओंकार सरन कोठीवाल की

18वीं पुण्यतिथि के अवसर पर अर्पित की श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी, शिक्षाविद् एवं आईएफ टीएम के संस्थापक स्व. ओंकार सरन कोठीवाल की पुण्य तिथि के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प व माल्यार्पण कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विश्व. विद्यालय के माननीय कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल, प्रतिकुलाधिपति श्री अभिनव कोठीवाल, विश्वविद्यालय कार्यकारिणी की सम्मानित सदस्या श्रीमती रश्मि कोठीवाल, प्रपौत्री नव्या कोठीवाल एवं प्रपौत्र अव्यन कोठीवाल ने स्व. ओंकार सरन कोठीवाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने विश्व. विद्यालय द्वारा अर्जित की गई समस्त उपलब्धियों का श्रेय स्व. ओंकार सरन कोठीवाल को देते हुए सभी उपलब्धियों को उनकी दूरदर्शिता का ही परिणाम बताया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने अपने सम्बोधन में 90 के दशक में शिक्षा की अलख जगाने वाले स्व. ओंकार सरन कोठीवाल के कई उत्कृष्ट योगदान और सभी के प्रति उनके अपार स्नेह को उपस्थित गणमान्य लोगों के साथ साझा किया। कुलपति प्रो. पाण्डेय एवं सभी उपस्थितों ने स्व0 ओंकार सरन कोठीवाल की अपेक्षाओं पर खरा उतरने हेतु उनके द्वारा प्रदीप्त इस ज्योति को सदैव आलोकित करने का संकल्प भी लिया। प्रो. पाण्डेय ने यह भी कहा कि हम सभी के प्रयास से विश्वविद्यालय को वैश्विक पहचान मिलेगी।

इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव , प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स डॉ. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- एकेडेमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह. परीक्षा नियंत्रक डॉ. अनुज श्रीवास्तव, ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल, डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. अरूण कुमार मिश्रा, आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. आर.के. यादव, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमैंट की निदेशिका डॉ. निशा अग्रवाल, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निद. शक डॉ. मनोज कुमार, स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के निद. शक डॉ. तंजील अहमद, स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक डॉ. एस.बी. मिश्रा, स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक डॉ. मोहन लाल 'आर्य', डॉ. एस.डी. शर्मा, डॉ. राजकुमारी सिंह, आईटी सर्विसिज के निदेशक डॉ. दीपांकर भारद्वाज, चीफ प्रॉक्टर डॉ. हरप्रीत सिंह, लाइब्रेरियन डॉ. बी.एस. राजपूत, चीफ कैम्पस इंजीनियर चन्द्रशेखर नागिला समेत शिक्षकगणों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने भी स्व. ओंकार कोठीवाल की प्रतिमा पर पुष्प व माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

आईएफटीएम के संस्थापक की 18वीं पुण्यतिथि के अवसर पर अर्पित की गई श्रद्धांजलि

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी, शिक्षाविद् एवं आईएफटीएम के संस्थापक स्व. ओंकार सरन कोठीवाल की पुण्य तिथि के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प व माल्यार्पण कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल, प्रतिकुलाधिपति श्री अभिनव कोठीवाल, विश्वविद्यालय कार्यकारिणी की सम्मानित सदस्या श्रीमती रश्मि कोठीवाल, प्रपौत्री नव्या कोठीवाल एवं प्रपौत्र अव्यन कोठीवाल ने स्व. ओंकार सरन कोठीवाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गई समस्त उपलब्धियों का श्रेय स्व. ओंकार सरन कोठीवाल को देते हुए सभी उपलब्धियों को उनकी दूरदर्शिता का ही परिणाम बताया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने अपने सम्बोधन में 90 के दशक में शिक्षा की अलख जगाने वाले स्व. ओंकार सरन कोठीवाल के कई उत्कृष्ट योगदान और सभी के प्रति उनके अपार स्नेह को उपस्थित गणमान्य लोगों के साथ साझा किया। कुलपति प्रो. पाण्डेय एवं सभी उपस्थितों ने स्व0 ओंकार सरन कोठीवाल की अपेक्षाओं पर खरा उतरने हेतु उनके द्वारा प्रदीप्त इस ज्योति को सदैव आलोकित करने का संकल्प भी लिया। प्रो. पाण्डेय ने यह भी कहा कि हम सभी के प्रयास से विश्वविद्यालय को वैश्विक पहचान मिलेगी।

इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स डॉ. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- एकेडेमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अनुज श्रीवास्तव, ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल, डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. अरूण कुमार मिश्रा, आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. आर.के. यादव, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका डॉ. निशा अग्रवाल, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार, स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. तंजील अहमद, स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक डॉ. एस.बी. मिश्रा, स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक डॉ. मोहन लाल 'आर्य', डॉ. एस.डी. शर्मा, डॉ. राजकुमारी सिंह, आईटी सर्विसिज के निदेशक डॉ. दीपांकर भारद्वाज, चीफ प्रॉक्टर डॉ. हरप्रीत सिंह, लाइब्रेरियन डॉ. बी.एस. राजपूत, चीफ कैम्पस इंजीनियर चन्द्रशेखर नागिला समेत शिक्षकगणों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने भी स्व. ओंकार सरन कोठीवाल की प्रतिमा पर पुष्प व माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।